वर्षः- 05
अंकः- 280
मुरादाबाद
(Monday)
02 February 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

जालंधर में PM मोदी बोलेः ये बजट, गरीब-अन्नदाता, युवाशक्ति और नारीशक्ति को सशक्त करने वाला बजट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पंजाब के जालंधर पहुंचे। वह यहां धार्मिक स्थल डेरा सचखंड बल्लां में नतमस्तक हुए। डेरा सच्चखंड बल्लां, जो गुरु रविदास जी महाराज की विचारधारा का प्रमुख और प्रभावशाली केंद्र है। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आदमपुर एयरपोर्ट का नाम महान संत श्री गुरु रविदास जी के नाम पर रखने का उद्घाटन किया। इस मौके पर डेरा सचखंड बल्लां सहित विभिन्न स्थानों से पहुंची संगत और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह

1 अप्रैल से बदलेगा आयकर कानून, आपकी कमाई व बचत पर क्या होगा असर

देखने को मिला। जैसे ही प्रधानमंत्री ने एयरपोर्ट के नए नाम का औपचारिक एलान किया, पूरा परिसर रविदास शक्ति के नारों से गूंज उठा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने हलवारा एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन भी किया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान लोगों को भी संबोधित किया।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा मैं पंजाब की इस मिट्टी को नमन करता हूं। आज गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती का पावन अवसर है। मुझे इस पुण्य अवसर पर आप सभी के बीच आने का सौभाग्य मिला है। मैं आप सभी देशवासियों को संत रविदास जयंती और माघ पूर्णिमा की शुभकामनाएं देता हूं। मुझे सांसद के रूप में काशी की सेवा करने का सौभाग्य मिला है। काशी के घाटों पर ही संत रविदास जी की शिक्षा प्रकट हुई थी। हम सभी उनसे बहुत प्रेरणा पाते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा रिश्ता गुरु रविदास जी की जन्म भूमि काशी से है। मुझे वहां से आशीर्वाद मिला है। काशी करोड़ों लोगों की तीर्थ भूमि है। मैं श्री गोवर्धन जाता हूं तो पंजाब के काफी लोग मिलते हैं। मैं इस बार पंजाब आया हूं यह गुरु रविदासकी इच्छा है और मेरा सौभाग्य है कि मुझे निमंत्रण के लिए डेरा अभिनंदन है। प्रधानमंत्री ने आज पेश किए गए यूनियन बजट पर भी अपनी बात रखते हुए कहा कि पिछले 11 साल में बहुत सारी दवाएं सस्ती की गई हैं। गरीबों और बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की सुविधाएं दी गई हैं। इस बजट में इसी संवेदनशीलता के साथ और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। कैंसर के इलाज को और सस्ता करने के लिए अनेक कैंसर दवाओं को और सस्ता किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी का जीवन समरसता, समानता और सामाजिक न्याय का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी ने अपने विचारों से समाज को नई दिशा दी और भेदभाव के खिलाफ आवाज बुलंद की। आदमपुर एयरपोर्ट का नाम उनके नाम पर रखना, उनकी शिक्षाओं के प्रति सम्मान और आने वाली पीढ़ियों को उनके विचारों से जोड़ने का प्रयास है। इस अवसर पर पंजाब के सामाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि, संत समाज, संगत और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। इसके अलावा वे लुधियाना के हलवारा एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का वर्चुअल उद्घाटन भी करेंगे। सुरक्षा कारणों से प्रधानमंत्री के दौरे का पूरा कार्यक्रम सार्वजनिक नहीं किया गया है लेकिन सूत्रों के अनुसार पीएम डेरा सचखंड बल्लां में लगभग 40 मिनट रुकेंगे। इस दौरान वे डेरा सचखंड बल्लां के प्रमुख संत निरंजन दास से मुलाकात कर करेंगे। वह एक संक्षिप्त संबोधन भी दे सकते हैं। इस दौरान राज्यपाल, मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता भी डेरा बल्लां पहुंच सकते हैं। जालंधर नो फ्लाइंग जोन घोषित, डीजीपी ने लिया सुरक्षा का जायजा- प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर सुरक्षा का कड़ा इंतजाम किया गया है। पंजाब पुलिस और एसपीजी (स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप) के जवान डेरा बल्लां में तैनात हैं। डीजीपी गौरव यादव ने जालंधर में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। सुरक्षा के मद्देनजर 30 जनवरी से 1 फरवरी तक जालंधर को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। इस अवधि में जिला सीमा के भीतर ड्रोन, हेलिकॉप्टर और अन्य नागरिक विमानन गतिविधियों पर प्रतिबंध रहेगा। जालंधर-पठानकोट हाईवे पर ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ?53.5 लाख करोड़ का बजट पेश किया है। इस बार के बजट में राजकोषीय घाटा 4.3त्न पर सीमित रखने का एलान किया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि 1 अप्रैल 2026 से नया इनकम टैक्स कानून लागू हो जाएगा। इससे अपनी जेब, बजार और अर्थव्यवस्था पर क्या असर पड़ने वाला है-केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में वित्त वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करते हुए %विकसित भारत की नींव को और मजबूत करने का रोडमैप साझा किया है। युवा शक्ति और आर्थिक स्थिरता पर केंद्रित इस बजट का कुल आकार लगभग 53.5 लाख करोड़ रुपये रखा गया है। सरकार ने विकास की रफ्तार बनाए रखने के लिए बुनियादी ढांचे और मैन्युफैक्चरिंग पर सरकारी खजाना खोल दिया है, वहीं राजकोषीय अनुशासन को भी प्राथमिकता दी है। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के 4.3 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा है, जो चालू वित्त वर्ष के 4.4 प्रतिशत के संशोधित अनुमान से कम है।विदेश यात्रा और टैक्स फाइलिंग पर आम आदमी को बड़ी राहत - आम करदाताओं और मध्यम वर्ग को राहत देते हुए वित्त मंत्री ने विदेश यात्रा और शिक्षा को किफायती बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने विदेश यात्रा पैकेज की बिक्री पर टीसीएस की दर को 5 से 20 प्रतिशत के स्लैब से घटाकर सीधे 2 प्रतिशत करने का प्रस्ताव दिया है। यही राहत लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) के तहत शिक्षा और चिकित्सा के लिए विदेश भेजे जाने वाले पैसे पर भी दी गई है, जहाँ अब टीसीएस की दर 2 प्रतिशत होगी। इसके अलावा, टैक्स फाइलिंग प्रक्रिया को लचीला बनाते हुए रिवाइज्ड रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा 31 दिसंबर से बढ़ाकर 31 मार्च कर दी गई है। वित्त मंत्री ने यह भी घोषणा की है कि व्यापक समीक्षा के बाद तैयार किया गया %आयकर अधिनियम 2025% आगामी 1 अप्रैल 2026 से प्रभाव में आएगा।शेयर बाजार के ट्रेडर्स को झटका, F&O और बायबैक पर सख्ती - शेयर बाजार के निवेशकों और विशेषकर ट्रेडर्स के लिए बजट के प्रावधान थोड़े सख्त रहे हैं। सरकार ने डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग पर सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स में बढ़ोतरी की घोषणा की है। फ्यूचर्स पर एसटीटी को 0.02 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत और ऑप्शंस पर 0.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.15 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही, कंपनियों द्वारा शेयरों के बायबैक से होने वाली आय को अब शेयरधारकों के हाथों में %कैपिटल गेन्स% माना जाएगा और उसी अनुसार टैक्स लगाया जाएगा। हालांकि, प्रमोटर्स द्वारा टैक्स आर्बिट्राज को रोकने के लिए उन पर अतिरिक्त बायबैक टैक्स लगाने का भी प्रावधान किया गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी पर सरकार का बड़ा बुनियादी ढांचे के विकास को गति देने के लिए सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 में पूंजीगत व्यय का लक्ष्य बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये कर दिया है, जो पिछले बजट के 11.2 लाख करोड़ रुपये के आवंटन से अधिक है। शहरी विकास और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए देश के प्रमुख शहरों के बीच 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर विकसित करने का प्रस्ताव है, जिसमें मुंबई-पुणे और दिल्ली-वाराणसी जैसे रूट शामिल हैं। इसके अलावा, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में जोखिम कम करने के लिए एक इंफ्रास्ट्रक्चर रिस्क गारंटी फंड स्थापित किया जाएगा और शहरों को आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनाने के लिए सिटी इकोनॉमिक रीजन्स की मैपिंग की जाएगी। उद्योग और इनोवेशन के लिए रिफॉर्म एक्सप्रे - औद्योगिक विकास और इनोवेशन के लिए सरकार ने %रिफॉर्म एक्सप्रेस% के तहत कई बड़ी घोषणाएं की हैं। भारत को बायो-फार्मा मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाने के लिए बायो-फार्मा शक्ति योजना और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए %इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0% का ऐलान किया गया है। एमएसएमई सेक्टर को मदद देने के लिए 10,000 करोड़ रुपये का एक समर्पित सएमई ग्रोथ फंड% बनाया जाएगा

संक्षिप्त समाचार

सीएम योगी ने फिर दी चेतावनी, विभाजनकारी ताकतें बांटेंगी, लेकिन उन्हें सिर नहीं उठाने देना

संत रविदास की 649वीं जयंती पर आयोजित उत्सव में सीएम योगी शामिल हुए। उन्होंने एक बार फिर से समाज बांटने वाले लोगों को निशाने पर रखा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को संत शिरोमणि सद्गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने बाराबिरवा, कानपुर रोड स्थित संत रविदास मठ में संत रविदास जी की प्रतिमा व सभागार का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि संत रविदास का प्रकटीकरण 649 वर्ष पहले काशी के सीर गोवर्धन में हुआ था। इतने वर्षों के बाद भी उनकी दिव्य आभा से आलोकित होकर यह समाज 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के निर्माण की दिशा में बढ़ रहा है। संत रविदास का जब धराधाम पर प्रकटीकरण पर हुआ, तब देश विदेशी आक्रांताओं से त्रस्त था। उन्होंने उस समय भी साधना की पवित्रता और उसे कर्म की साधना के रूप में बदलने का कार्य किया था। उन्होंने प्रत्येक नागरिक को वैष्णव परंपरा के अनुरूप जिस उपासना के लिए प्रेरित किया, वह जीवन में कर्म की प्रधानता, मन की शुद्धता को महत्व देता है और लोककल्याण के प्रति आग्रही बनाता है।सीएम योगी ने संत रविदास के वक्तव्य 'मन चंगा तो कठौती में चंगा' का जिक्र किया और कहा कि सब कुछ कर्म पर निर्भर करता है। अच्छा और बुरा कर्म करेंगे तो बुरा फल पाएंगे। संत रामानंद से दीक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने कर्म साधना के माध्यम से लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया।

केंद्रीय बजट पर अखिलेश यादव हुए हमलावर, कहा- बजट में न आम आदमी का जिक्र है और न फिक्र

संसद में पेश किए गए केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि इस भाजपाई बजट का परिणाम है कि बजट आते ही शेयर बाजार धड़ाम हो गया। केंद्रीय बजट प्रस्तुत होने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भाजपाई बजट आते ही शेयर बाजार धड़ाम हो गया। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि सवाल ये नहीं है कि शेयर बाज़ार रविवार को खुलेगा, सवाल ये है कि और कितना गिरेगा। - जब भाजपा सरकार से कोई उम्मीद नहीं है, तो उसके बजट से क्या होगी। - हम तो भाजपा के हर बजट को 1/20 (एक बंटे बीस) का बजट मानते हैं क्योंकि वो 5त्न लोगों के लिए होता है।
- भाजपा का बजट, अपने कमीशन और अपने लोगों को सेट करने का बजट होता है। - भाजपा का बजट, भाजपाई भ्रष्टाचार की अदृश्य खाता-बही होता है। - इस बजट में न आम जनता का जिक्र है न फ़िक्र। - महंगाई बेतहाशा बढ़ने पर भी इस बजट में जनता को टैक्स में छूट न देना, 'टैक्स-शोषण' है। - अमीरों के काम-कारोबार और घूमने-फिरने पर दस तरह की छूटें दी गईं हैं लेकिन बेकारी-बेरोज़गारी से जूझ रहे लोगों की उम्मीदों की थाली, खाली है। निराशाजनक, निंदनीय बजट! वित्त मंत्री ने पेश किया बजट- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय वर्ष 2014-15 में 2 लाख करोड़ से बढ़कर 2025-26 में 11.2 लाख करोड़ के आवंटन तक पहुंच गया है। वर्ष 2026-27 में इस गति को बनाए रखने के लिए मैं इसे बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ करने का प्रस्ताव रखती हूं। अवसंरचना विकास और निर्माण चरण के दौरान जोखिमों को लेकर निजी डेवलपर्स का विश्वास मजबूत करने के लिए, मैं एक इन्फ्रास्ट्रक्चर रिस्क गारंटी फंड स्थापित करने का प्रस्ताव रखती हूं, जो ऋणदाताओं को आंशिक क्रेडिट गारंटी प्रदान करेगा। वहीं 2026-27 में ऋण-से-जीडीपी औसत, जीडीपी का 55.6त्न रहने का अनुमान है। यह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में 56.1त्न था। जीडीपी का 4.3 प्रतिशत रहेगा राजकोषीय घाटा, बजट 2026-27 का अनुमान। यह वित्त वर्ष 2025-26 में 4.4त्न था 2026-27 में 36.5 लाख करोड़ गैर-ऋण प्राप्तियों का बजट में अनुमान है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में बताया कि किसानों-पशुपालकों और ग्रामीणों के लिए बजट में क्या-क्या योजनाएं हैं। छोटे और सीमांत किसानों की आय में इजाफा लाने पर जोर। तमाम मौकों के जरिए दिव्यांगों के सशक्तीकरण पर फोकस। मत्स्य पालन के लिए 500 जलाशयों और अमृत सरोवरों का एकीकृत विकास किया जाएगा। तटीय क्षेत्रों में फिशरीज वैल्यू चेन मजबूत की जाएंगी। स्टार्टअप और महिलाओं की अगुवाई वाले समूह बाजार से जुड़ेंगे। पशुपालन क्षेत्र के लिए लोन-आधारित सब्सिडी कार्यक्रम शुरू होंगे। पुशधन उद्यमों का संवर्धन और आधुनिकीकरण होगा। पशुधन किसान उत्पादक संगठनों को बढ़ावा दिया जाएगा। तटीय इलाकों में नारियल, चंदन, काजू जैसी फसलों को सहायता दी जाएगी। नारियल उत्पादन में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए नारियल संवर्धन योजना लाई जाएगी। भारतीय काजू और कोको के लिए समर्पित कार्यक्रम लाए जाएंगे। इन्हें वैश्विक ब्रांड बनाने का काम किया जाएगा। भारतीय चंदन लकड़ी की गरिमा को पुनर्स्थापित करने के लिए राज्यों से सहयोग किया जाएगा। अखरोट, बादाम की पैदावार बढ़ाने के लिए भी विशेष कार्यक्रम शुरू होगा। एआई टूल-भारत-VISTAAR कार्यक्रम की शुरुआत होगी। यह बहुभाषी एआई टूल किसानों को बेहतर फैसले लेने में मदद करेगा, जिससे उनकी उत्पादकता बढ़ेगी।

राकेश टिकैत बोले- दिल्ली के कागजों में ही बजट अच्छा, किसानों की ये मांग नहीं की पूरी

भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि किसान सम्मान निधि 12,000 रुपये किए जाने की मांग थी, लेकिन वह पूरी नहीं की गई। प्राइवेट स्कूलों को भी बजट में बढ़ावा दिया गया है। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने आम बजट पर अपनी गहरी निराशा व्यक्त की है। उनका कहना है कि किसानों को इस बजट से बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन उनकी अपेक्षाएं पूरी नहीं हुईं। टिकैत ने विशेष रूप से पहाड़ी राज्यों की कुछ फसलों के उल्लेख पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि अखरोट और चंदन जैसी विशिष्ट फसलों के किसानों को इससे कितना लाभ मिलेगा।एमएसपी गारंटी कानून और किसान सम्मान निधि पर चिंता टिकैत ने इस बात पर भी चिंता जताई कि किसानों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गारंटी कानून की प्रमुख मांग को बजट में शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि को बढ़ाकर 12,000 रुपये किए जाने की उम्मीद थी, जो इस बजट में दिखाई नहीं दी। यह किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता होती, जिसकी कमी उन्हें खलेगी।जमीनी हकीकत और सरकारी दावों में अंतर- भाकियू नेता ने बजट के प्रभावी होने पर संदेह व्यक्त करते हुए कहा कि भले ही दिल्ली के कागजों में यह बजट अच्छा लगे, लेकिन जमीनी हकीकत में इसका कितना असर होगा, यह देखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके वास्तविक लाभों पर प्रश्नचिन्ह लगाया। शिक्षा नीति पर भी उठाए सवाल- टिकैत ने बजट में निजी स्कूलों को बढ़ावा देने की बात पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि इससे सरकारी स्कूलों के बंद होने का खतरा बढ़ सकता है, जिसका सीधा और नकारात्मक प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों पर पड़ेगा। यह मुद्दा ग्रामीण शिक्षा प्रणाली की मजबूती को लेकर नई चिंताएं पैदा करता है।

संपादकीय Editorial

The Boots of Tourism

The vulgarity of tourism and the filth that permeates Himachal's image cannot be ignored. Social media often creates ruins. Himachal has much that delights and excites. Every season here transforms the heart. For example, the current surge of tourism in the presence of snow cannot be allowed to be tolerated. Sweeping the snow is not tourism, nor is playing with vehicles a mountain companion. The scenes are horrifying when tourists bathing in the snow on the ridge unzip their sleeves or a woman disturbs the atmosphere of Manali by stripping naked. The snow has become deaf in the commotion, and we cannot hear nature singing. The slightest invitation of nature's touch is like a springtime blessing, but overexploitation of tourism has robbed us of our originality. Himachal certainly enjoys the charm of seasonal tourism, but it becomes a short-lived moonlight, dwarfing the state's vitality. How can we preserve and showcase what can be seen in the face of such tourism? It is also a civic responsibility to cherish tourism within nature's creation. The people of the Sissu-Koksar region of Lahaul-Spiti deserve praise for upholding the sanctity of their Halda festival by imposing a complete ban on tourism activities for 40 days. This is also because the Atal Tunnel has turned tourism into a river, and if the citizens of Sissu hadn't protected the essence of the mountain between invitation and tradition, tourists' boots would have trampled anything and everything. This is what has been destroyed in this snowfall. After all, snow doesn't come only for tourism. It comes to showcase the mountains in their generosity. It brings confidence to agriculture, fruit production, and the flow of rivers. Therefore, tourism cannot have a right to every snowflake. Similarly, it is a crime to flood social media with every piece of natural activity or natural beauty. If a woman from outside came to Manali and, forgetting public etiquette, danced nude indecently, it would attract a terrible amount of tourism.

Even now, the mere mention of Malana Cream in international circles turns Himachal into a drug hub. Gradually, some areas of Himachal have become infamous for advertising secret parties. After all, how much and what kind of tourism does Himachal, with a population of 7 million, a hill state, traditional, tribal, and inspired by unique values, need? Do we need tourist families, the young generation of the corporate world, rowdy youth, or tourists with the audacity to make reels? Our tourism campaign is not complete with the tourist season, nor with snowfall, nor with winter travel. Who will tell those who trample the snows of Dalhousie about Chamba's thousand-year-old heritage? Who will open the windows of memories of the British period beyond the snowfall in Shimla? Who will take Kangra's tourist season to Masroor, Kangra Fort, or the historic grounds of Sujanpur? If the current government is making Kangra the capital of tourism, then first of all, to make it the capital of tourists, we will have to create many such circuits on the lines of Rajasthan, Karnataka, Maharashtra, Kerala, Odisha, Gujarat and West Bengal states, which can connect every day of the year with the etiquette of tourist attraction. For better tourism, we have the challenge of developing a strong tourism culture with patience and goodwill along with all the hotel and restaurant businessmen and taxi and bus operators, which will keep beautifying the state with their own hands, otherwise, considering the crowd as tourists, we will give them the freedom to trample all the roads with their shoes.

Are you narcissistic? Showing responsibility can improve relationships.

Decades ago, the term narcissism was rarely used outside of clinical settings and research rooms. But today, it has become a general term for a variety of disturbing Zigler-Hill, a professor at University in that a narcissist is has a strong desire and different. arrogant, self- seek admiration, necessarily mean narcissistic disorder (NPD). condition with diagnostic criteria, persistent sense of a lack of empathy constant need for Experts explain is not just a mental personality trait different people. exist about First, those with extremely

unpleasant or behaviors. Virgil psychology Oakland Michigan, says someone who to feel special Some people are centered, and but this does not they have personality NPD is a serious specific such as a self-importance, for others, and a admiration. that narcissism disorder, but a that can vary in Many myths narcissism. NPD are harmful.

Second, not all narcissists are the same. Agentic narcissists are self-confident and ambitious. Neurotic narcissists constantly seek validation and feel insecure when criticized. Antagonistic narcissists are competitive and sometimes condescending. Professor Ulrich Orth at the University of Bern says that narcissism is not a static trait. It gradually diminishes with adulthood, as empathy increases as we grow older. Dr. Ziegler-Hill says that people with agentic or antagonistic narcissistic tendencies often shy away from seeking help because they don't feel the need for it or view treatment as a sign of weakness. She says that when parents over-do one child, the other child is more likely to develop narcissistic traits. To determine whether a person is a narcissist, you can try talking to them about their feelings in a calm environment. Dr. Durvasula calls this "going into the lion's cage." She says that when narcissists show responsibility, relationship improvement and personal growth are possible. You can talk to them about whether they are narcissistic or not in a calm environment, but it can also be like going into the lion's cage.

Mark Tully's vision of India: His journey to bring the culture rooted in Hindi to the global stage

The work done by Anand Kumar Swami before independence to bring global recognition to Indian arts and the profound Indian vision embedded within them was carried forward by Mark Tully after independence. Mark Tully was a Hindi proponent. He had a deep faith in Indian culture, traditions, and the people rooted in its diversity. Therefore, he worked to bring Indianness to the global stage by experiencing it in its true perspective. He wrote in English, but his writings were imbued with the essence of Hindi and the thinking of the majority of the people. In his writings and speeches, he repeatedly emphasized that this country's weakness lies in its inferiority complex towards Hindi. However, this language is powerful. Therefore, he wrote in one place: "Initially, British diplomats always prioritized the services of English. However, seeing the effectiveness of Hindi, no one could ignore it." He was born in Tollygunge, Kolkata. As a child, he tried to learn Hindi, but was prevented from doing so. Later, when he entered journalism, he realized that understanding Hindi was essential to credibly present India to the world through radio. Therefore, he learned Hindi by reading newspapers and constantly listened to the Hindi presentations of his writings on the BBC. Therefore, it's no mistake to say that his journalism wasn't merely about providing information or an agitated way of presenting it. He would indirectly connect listeners with the Indian intellectual heritage associated with even the biggest news in a very measured and restrained manner. Instead of relying on the English-medium understanding of journalism, he presented it clearly and systematically, keeping in mind the thinking of the people living in India. I also believe that the work done by Anand Kumar Swami before independence to bring global recognition to Indian arts and the profound Indian perspective embedded within them was carried forward by Mark Tully after independence. He was the one who credibly presented India to the world in its diversity, its sublime vision, and its inherent richness. Listening to him and later reading his experiential books on India has been enjoyable because there's no insistence on establishing one's own journalism. For example, his books, "India in Slow Motion" and "No Full Stops in India," clearly highlight that in the name of Western thinking, modernity, development, and reform, the elite here doesn't want the country to remain connected to its language, traditions, and culture. However, the public here is not stagnant. This country is so liberal and open that it constantly renews itself. It's no coincidence that Anand Kumar Swami once said, regarding the arts and the Indian perspective, that innovation in India lies not in creating newness, but in being new. Mark Tully understood and evaluated India from this perspective. Therefore, in his speeches and writings, he repeatedly expresses concern and anguish that India's excessive fascination with the English language is preventing it from progressing towards full development through its traditions and culture. Kenyan novelist, playwright, and essayist Ngugi wa Thiong'o wrote in English. His pen name was once James Ngugi. However, after a long time, when he realized how tragic it was to be separated from one's own language, he not only began writing in his mother tongue, Gikuyu, but also changed his name. He then wrote in his experiences, "If you want to seize a country, you must seize its language. Language is the primary means by which colonial power imprisons the soul." Mark Tully probably understood this, which is why he learned Hindi for journalism. His reporting was rooted in Western thinking and not a captive of colonial power. He possessed an Indian perspective, and he was confident that India, with its unity in diversity, would continue to progress towards development. However, he also clearly stated that one of the major obstacles to development was the bureaucratic system of British rule, which still persists here. Once I spoke with him, I became deeply acquainted with him and aroused a curiosity to learn more. I remember having many conversations with him in Hindi. His remark, "It's a shame for this country that whenever I try to speak to someone in Hindi, they respond in English," still lingers in my mind. Mark Tully had a deep affection for India, both because he believed he received immense love in India and because he believed India had made him. He repeatedly lamented that India was fortunate to have accepted him. He was deeply pained by Hindi speakers' self-image as inferior. That's why he constantly said, "Hindi speakers should build their self-confidence. The plight of Hindi is a testament to this country's weakness. People still don't respect Indian culture in governance. English remains a foundation here. That's why India hasn't fully realized its potential." He also said that China has made a lot of progress, but comparing China and India is wrong. There has been a lot of oppression in China. Except during the Emergency, human values ??have never been violated in India. India is a democracy, and therefore, India should not be compared to Britain, America, or any other European country. India has its own unique identity. This fundamental vision of India and Indianness is the hallmark of Mark Tully. He was not from India, but we will always be indebted to him for his understanding of India in its true form, and for the way he presented this country to the world in the light of its noble traditions and culture.

सुबह बादल व कोहरा, दोपहर बाद सूरज ने बादलों की ओट से झांका

मुरादाबाद । शनिवार को दिन की शुरुआत बादलों के साथ हुई, जिससे पूरे दिन सूरज के दर्शन नहीं हो सके। बादलों की आवाजाही से बारिश की संभावना बनी रही। ठंडी हवा ने ठिठुरन को और बढ़ा दिया। हालांकि, दोपहर बाद तीन बजे के करीब सूरज ने बादलों की ओट से झांका। सुबह और दोपहर के समय मौसम पूरी तरह बदला रहा। धूप न निकलने के कारण सड़कों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर हलचल अपेक्षाकृत कम दिखाई दी। लोग जरूरी कार्यों के लिए ही घरों से बाहर निकले। मौसम की इस बेरुखी का असर बच्चों और बुजुर्गों पर विशेष रूप से रहा, जिन्हें ठंडी हवा से बचाव के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ी। दोपहर करीब तीन बजे के बाद धूप निकली, जो राहत देने में नाकाफी रही। वातावरण में ठंडक बनी रही और शाम होते-होते फिर से सिहरन बढ़ गई। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले कुछ दिनों से मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कभी तेज धूप निकलती है तो कभी अचानक बादल छा जाते हैं, कहीं हल्की बारिश हो तो कहीं ठंडी हवा चलने से लोग परेशान हैं। इस अनिश्चितता ने लोगों की दिनचर्या को भी प्रभावित किया है। लोग मौसम को देखकर अपने कामकाज की योजना बना रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसमी बदलावों के कारण इस तरह की स्थिति बनी हुई है। आने वाले दिनों में भी मौसम के इसी तरह बदलते रहने की संभावना जताई जा रही है।

रामपुर में दवा से लदा कैंटर गलत दिशा से आ रही बैलगाड़ी पर पलटा, चार बैलों की मौत, हाईवे पर लगा जाम

दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर दवाइयों से लदा कैंटर गलत साइड से आ रही बैलगाड़ी पर पलट गया। इसमें चार बैलों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक-परिचालक फरार हो गए। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर रविवार तड़के दवा से लदा कैंटर गलत साइड से आ रही बैलगाड़ी पर पलट गया। इसमें चार बैलों के दबने से मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने राहत का कार्य किया। दुर्घटनाग्रस्त वाहन को एक साइड में लगाया गया है।यह हादसा सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रिवर साइड इन होटल के सामने का है। दवाइयों से लदा एक कैंटर रॉग साइड से आ रही बैलगाड़ी पर पलट गया। इस दुर्घटना में कैंटर के नीचे दबकर चार बैलों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद कैंटर चालक-परिचालक और बैलगाड़ी चालक-परिचालक मौके से फरार हो गए।सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। बैलों को निकालने के लिए दमकल टीम और दो हाइड्रा मशीनें बुलाई गईं। लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद कैंटर को हटाया जा सका। सिविल लाइन इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचकर बैलों को रेस्क्यू किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। उन्होंने यह भी बताया कि पशु चिकित्सा अधिकारी को कई बार फोन किया गया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। पुलिस फरार कैंटर चालक-परिचालक और दोनों बैलगाड़ी चालक-परिचालकों की तलाश कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कैंटर चालक पानीपत का निवासी बताया जा रहा है। कैंटर हिमाचल के पोटा से पश्चिम बंगाल के गुवाहाटी जा रहा था।

रामपुर शहर में साढ़े आठ करोड़ की लागत से 11 सड़कों का होगा निर्माण

शहर विधानसभा क्षेत्र में सालों से जर्जर और कच्ची सड़कों की समस्या से जूझ रहे लोगों को जल्द ही बेहतर सड़कें मिलने वाली हैं। शासन ने नगर विधानसभा क्षेत्र में विधायक आकाश सक्सेना द्वारा दिए 11 सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों के प्रस्तावों को मंजूरी मिल गई है। इन सड़कों के निर्माण पर करीब साढ़े आठ करोड़ रुपये की धनराशि खर्च होगी। शहर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाके में सड़कों की स्थिति काफी खराब है।

जर्जर सड़कों की वजह से लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतें होती हैं। आए दिन हादसे हो जाते हैं, जिस कारण लोगों को चोट आदि लग जाती है। ऐसे में क्षेत्रीय लोगों ने शहर विधायक आकाश सक्सेना ने मांग करते हुए जर्जर सड़कों की मरम्मत कराने एवं कच्ची सड़कों का निर्माण कराने की मांग की थी, जिसके बाद विधायक ने सड़कों के प्रस्ताव लोक निर्माण विभाग के माध्यम से शासन को भिजवा दिए थे। शासन ने इन प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। इसके अनुसार क्षेत्र की 11 सड़कों का निर्माण एवं मरम्मत कार्य होगा। जिस पर करीब साढ़े आठ करोड़ रूपये की लागत आएगी। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता निर्माण खंड गौरव ने बताया कि अब टेंडर प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि सड़कें लंबे समय तक टिकाऊ रहें।इन सड़कों का होगा निर्माण 1. भमरौआ मंदिर मार्ग का निर्माण एवं चौड़ीकरण - 3.59 करोड़ 2. चिकटी रामनगर रोड से चिकना संपर्क मार्ग का नव निर्माण - 1.03 करोड़ 3. आगापुर रोड से लक्ष्मीनगर मार्ग तक नव निर्माण - 1.12 करोड़ 4. शिव मंदिर पंजाबनगर से विजईया तक मार्ग का नव निर्माण - 92.12 लाख 5. रामपुर शाहबाद मार्ग से पटवाई जौलपुर वाया नईमगंज मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य - 20.30 लाख 6. रामपुर शाहबाद मार्ग से बकैनिया मिश्रिनगर मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य - 24.35 लाख 7. रामपुर शाहबाद मार्ग से नारायणपुर मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य - 10.75 लाख 8. पंजाबनगर जौलपुर मार्ग से मिलक निब्बी सिंह शिव मंदिर मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य - 31.77 लाख 9. पंजाबनगर जौलपुर मार्ग से विजईया पर सीसी का कार्य - 30.07 लाख 10. पंजाबनगर जौलपुर मार्ग से रसूलपुर मार्ग पर पीसी एवं सीसी का कार्य - 32.15 लाख 11. बीसरा मंढोली मार्ग पर शेष भाग का कार्य - 32.07 लाख

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 649 वीं जयंती मनाई

क्यूँ न लिखूँ सच/आज जिला रामपुर के विधानसभा स्वार टांडा 34 में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 649 वीं जयंती मनाई आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारीओ ने मुख्य अतिथि रहे राजू सागर पूर्व जिला प्रभारी मिशन 2027 विधानसभा स्वार टांडा 34 राजू सागर जी ने गुरु रविदास जी के जीवन पर प्रकाश डाला रविदास जी ने कहा था ऐसा चाहूं राज में मिले सवन्नू अन्न छोटे बड़े सब संग बसे हो रविदास प्रसन्न राजू सागर जी ने अपने विचार रखते हुए कहा की आजाद समाज पार्टी संतो गुरुओं महापुरुषों का सपना पूरा करेगी

स्थानीय लोगों से कहा की आजाद समाज पार्टी को मजबूत करें आने वाला 2027 का विधानसभा चुनाव जिताकर बड़े भाई एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद जी को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का काम करेंगे दलित मुस्लिम पिछड़ों का भाईचारा बनाकर उत्तर प्रदेश में इस मौके पर उपस्थित रहे जिला उपाध्यक्ष अली पाशा जिला संगठन मंत्री कृष्ण पाल जी युवा मोर्चा जिला प्रभारी गोविंद सागर जी जिला मीडिया प्रभारी चमन जाटव संगठन सचिव रवि शंकर जी विधानसभा अध्यक्ष सुनील सागर जी वार्ड नंबर 9 से संभावित जिला पंचायत प्रत्याशी मुशाहिद खान जी वार्ड नंबर 7 से अलीम खान जी श्रीपाल जी विपिन सागर मुर्तजा स्थानीय लोग मौजूद रहे

ईओ के न होने से मसवासी में विकास कार्य ठप, गंदगी के लगे अंबार

क्यूँ न लिखूँ सच/ रामपुर। मसवासी नगर पंचायत में बीते लगभग एक माह से ईओ के न होने के कारण विकास कार्य पूरी तरह से ठप पड़े हैं। ईओ के अभाव में न केवल प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि सफाई व्यवस्था भी चौपट पड़ी है। जिससे आम जनता को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।नगरवासियों को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों के लिए कार्यालय के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। वहीं नगर की सफाई व्यवस्था भी पूरी तरह से चरमरा गई है। गली-मोहल्लों में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं तथा नाले-नालियां गंदगी से भरी पड़ी हैं, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।इस स्थिति को लेकर नगर के वार्ड संख्या चार के सभासद अनिल कुमार ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर नगर पंचायत मसवासी में शीघ्र अधिशासी अधिकारी की तैनाती कराने की मांग की है। नगरवासियों ने भी प्रशासन से जल्द से जल्द ईओ की नियुक्ति कराकर विकास एवं सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने की मांग की है। एडीएम एफआर संदीप वर्मा ने बताया कि ईओ सचिन कुमार अवकाश पर हैं। नए ईओ की तैनाती के लिए शासन को पत्र भेजकर अवगत कराया गया है।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात में काम कर रहे नरपतनगर के कारीगरों में दहशत

स्वार। कोतवाली क्षेत्र के नरपतनगर दूंदावाला और आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने गुजरात के अहमदाबाद व नवसारी में कोट-पैंट सिलाई के अनेक कारखाने खोल रखे हैं। इन कारखानों में नरपत नगर सहित आसपास के सैकड़ों कारीगर सिलाई का कार्य कर रहे हैं। इनमें कार्य करने वाले स्वार क्षेत्र के सैकड़ों कारीगर भी फैजान प्रकरण के बाद सहमे हुए हैं। नरपत नगर निवासी फैजान शेख उर्फ फैजान सलमानी को कथित आतंकी गठजोड़ के आरोपों में गुजरात एटीएस ने गिरफ्तार किया है। इसके बाद से वहां काम कर रहे सैकड़ों युवा कारीगरों में भय का माहौल है। कारीगरों के परिजन भी चिंतित हैं। वह रोजाना सुबह-शाम अपने बच्चों से संपर्क कर उनकी खैरियत पूछ रहे हैं। उन्हें मोबाइल पर भी गलत या संदिग्ध कॉल से दूरी बनाए रखने, साथ ही किसी भी आपत्तिजनक पोस्ट को शेयर या लाइक न करने की सख्त हिदायत दे रहे हैं। मामले के एक सप्ताह बीतने के बाद भी फैजान के परिवार में अब भी मायूसी छाई हुई है। कानूनी सहायता के लिए अहमदाबाद में रुके हैं पिता स्वार। नगर पंचायत अध्यक्ष खालिद अली के साथ अहमदाबाद गए फैजान के पिता शकील अहमद अभी तक वापस नहीं लौटे हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष खालिद अली ने बताया कि वह अहमदाबाद में फैजान के मामले में कानूनी प्रक्रिया और अधिकारियों से संपर्क में हैं तथा परिवार को न्याय दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने शकील सलमानी को आश्वस्त किया है कि उनके बेटे के मामले में निष्पक्ष विवेचना होगी। अध्यक्ष ने बताया कि कई नामचीन वकीलों से केस के संबंध में बातचीत की गई है

हुसैन क्लब ने जीता वॉलीबॉल टूर्नामेंट का खिताब

क्यूँ न लिखूँ सच/रामपुर। नगर पंचायत मसवासी क्षेत्र के ग्राम मंसूरपुर में आयोजित दो दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का खिताब हुसैन क्लब की टीम ने जीता। मानपुर की हुसैन क्लब की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंसूरपुर की शिव क्लब टीम को 15-12 व 15-13 के सेट से हराया।दोनों टीमों के बीच खेला गया फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। हुसैन क्लब के खिलाड़ियों ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए बढ़त बनाई और लगातार दो सेट जीतकर बाजी मार ली। ग्राम प्रधान विकास मौर्य ने विजेता को 5100 रुपये एवं उपविजेता टीम को 3100 रुपये का नकद पुरस्कार व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे खेल आयोजनों से युवाओं में खेल भावना विकसित होती है और ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। मौके पर आयोजक समिति के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और ग्रामीण मौजूद रहे।

गुजरात की एटीएस ने फैजान के दोस्तों से रामपुर में की पूछताछ

रामपुर। गुजरात की एटीएस शुक्रवार शाम रामपुर पहुंची। टीम ने संदिग्ध आतंकी फैजान के दोस्तों से पूछताछ की है। हालांकि फैजान के दोस्तों से गुजरात एटीएस को कोई खास जानकारी नहीं हासिल हुई है। उधर, जिले के खुफिया विभाग ने भी फैजान के इंस्टाग्राम के दोस्तों को चिन्हित किया।गुजरात में एटीएस ने नवसारी से रामपुर के संदिग्ध आतंकी फैजान को गिरफ्तार किया था। इस मामले में एटीएस फैजान से पूछताछ कर चुकी है। शुक्रवार को गुजरात की एटीएस रामपुर पहुंची। शनिवार को टीम ने फैजान के इंस्टाग्राम के दोस्तों से पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार टीम को अभी तक कुछ नहीं मिला है।उधर, जिले के खुफिया विभाग ने फैजान के इंस्टाग्राम से उसके रामपुर के दोस्तों को ढूंढा। इसके बाद इन दोस्तों की प्रोफाइल तैयार करना शुरू कर दिया है। फैजान के दोस्तों की गतिविधियों पर भी लगातार नजर रखी जा रही है। परिवार वालों के नंबर की सीडीआर निकालकर इसकी जांच शुरू कर दी है। रामपुर में अभी तक कोई दस्तावेज हाथ नहीं लगा है। एसपी विद्यासागर मिश्र ने बताया कि उनकी टीम फैजान के दोस्तों पर नजर रख रही है। दोस्तों के परिवार का इतिहास निकाला जा रहा है। अभी तक कोई सुबूत हाथ नहीं लगा है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बरेली-बांदीकुई पैसेंजर का नियमित संचालन शुरू

आगरा-राजस्थान का सफर हुआ आसान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। पांच साल के बाद 54356-55 बरेली-बांदीकुई पैसेंजर का नियमित संचालन शुरू हो गया है। शुक्रवार रात 54356 बरेली-बांदीकुई पैसेंजर निर्धारित समय से 10 मिनट देरी से रात 9-15 बजे चलने के बाद 3-03 घंटे की देरी से शनिवार दोपहर 12-53 बजे बांदीकुई पहुंची। शनिवार को 54355 बांदीकुई-बरेली पैसेंजर दोपहर 5-45 बजे बांदीकुई से छूटी। यह गाड़ी रविवार सुबह 6-55 बजे बरेली पहुंची। रेलवे के आंकड़ों के अनुसार दो दिन में 1860 यात्री अप-डाउन गाड़ी में यात्रा के लिए अनारक्षित टिकट खरीद चुके हैं। बरेली-बांदीकुई पैसेंजर का संचालन कोरोना काल में बंद कर दिया गया था। अनाक्षित श्रेणी की यह गाड़ी 55 स्टेशनों पर ठहराव लेते हुए 418 किलोमीटर दूरी तय करती है। ऐसे में लंबे समय से ट्रेन के नियमित संचालन की मांग की जा रही थी। रविवार रात ट्रेन का बरेली से चलने के बाद बिशारतगंज, आंवला, चंदौसी समेत कई स्थानों पर स्वागत किया गया। तीन जोड़ी सुपरफास्ट ट्रेनें अब मेल-एक्सप्रेस के रूप में दौड़ेंगी बरेली होकर गुजरने वाली तीन सुपरफास्ट गाड़ियां अप्रैल से मेल-एक्सप्रेस के रूप में दौड़ेंगी। रेलवे ने इन गाड़ियों का नंबर बदल दिया है। समय सारिणी में भी कुछ बदलाव किया जाएगा। 14 अप्रैल से गाड़ियों का संचालन नए नंबर से शुरू कर दिया जाएगा। देहरादून-हावड़ा और जम्मूतवी-हावड़ा के बीच चलने वाली यह सुपरफास्ट गाड़ियां लेटलतीफी का शिकार रहती हैं। ऐसे में रेलवे ने इनको सुपरफास्ट के स्थान पर मेल-एक्सप्रेस के रूप में चलाने का निर्णय लिया है। शुक्रवार को इस संबंध में रेलवे की ओर से नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया। सुपरफास्ट के स्थान पर मेल-एक्सप्रेस के रूप में इन गाड़ियों का संचालन शुरू होने के बाद किराया भी कुछ कम हो जाएगा।

रोटरी क्लब फ्रेगरेंस की नई कार्यकारिणी का गठन

मुक्ता अग्रवाल अध्यक्ष तथा उषा कुमार सचिव बनी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । रोटरी क्लब फ्रेगरेंस की नई कार्यकारिणी टीम का गठन किया गया। जिसमें वर्ष 2026-27 के लिए मुक्ता अग्रवाल को अध्यक्ष तथा उषा कुमार को सेक्रेटरी नामित किया गया। शालू मित्तल, हेमा अग्रवाल ,साक्षी, शुभ्रा बंसल, मनीषा मेहरा, सविता अग्रवाल, अंजू अदलखा, सीमा सिंघल ,गीता जुनेजा, मुनिता रेकरीवाल ,निधि अग्रवाल, लेखा खंडेलवाल, किरण, ज्योति खुराना, रेनू ग्रोवर, सुषमा, पूनम, नीरा अग्रवाल,झरना मिश्रा आदि सदस्य नई टीम में सम्मिलित है। इस अवसर पर क्लब की चार्टर अध्यक्ष सुधा गुप्ता, पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने नई टीम को शुभकामनाएं दीं। नवनिर्वाचित टीम ने समाजसेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में रोटरी के सेवा कार्यों पर प्रकाश डालते हुए आगामी योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त ईआरओ0 के साथ फॉर्म 6,7,8 प्रगति की हुई समीक्षा बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली 1 फरवरी जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने विशेष प्रगाढ़ पुनिरीक्षण 2026 के संबंध में कैम्प कार्यालय में समस्त ई0आर0ओ0 के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने फॉर्म 6,7,8 प्रगति की समीक्षा की गई एवं विगत दिनांक 31/1/2026 को प्राप्त दावे एवं आपत्तियों से सम्बन्धित सूचना सभी ईआरओ से मांगी गई उसके बाद समीक्षा की गई। बैठक में सभी ईआरओ को यह भी निर्देशित किया गया की फॉर्म 6 को प्राप्त करें जिससे कोई मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल होने से न रह जाए, इसके अतिरिक्त सभी ई आर ओ को यह भी निर्देशित किया कि नो मैपिंग के सम्बन्धित नोटिस की सुनवाई भी प्रभावी ढंग से की जाये एवं एईआरओ की भी समीक्षा समस्त ई आरओ. द्वारा की जाये। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि/रा / उप जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे तथा समस्त ई. आर.ओ.गण आदि उपस्थित रहे

विश्व हिन्दू महासंघ ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती पर पुष्प अर्पित कर किया नमन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली - संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती के पावन अवसर पर श्यामगंज स्थित श्री रविदास जी महाराज मंदिर में विश्व हिंदू महासंघ की ओर से पुष्प अर्पित कर नमन किया गया और उनके आदर्शों पर चलने का आवाहन किया। प्रदेश कार्यकारणी सदस्य संजीव अवस्थी ने कहा कि महाराज जी हम सभी के प्रेरणास्रोत हैं उन्होंने हमें सत्य और आचरण का सही मार्ग दिखाया है। इसलिए उनका मार्गदर्शन ही हम सबका मार्ग होना चाहिए। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता मनोज थपलियाल, महानगर अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा योगेश बंटी, मंडल प्रभारी अजय पाल शर्मा, जिला प्रभारी मुनीश गुप्ता, जिला अध्यक्ष मोनू सिंह, महामंत्री दलवीर सिंह, मंत्री दिनेश मूरजानी, राजन कुमार, प्रमोद कुमार ,भूपेन्द्र कुमार ,अभिषेक श्रीवास्तव आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बाबा साहब ने संघर्ष के दम पर समाज में किया बदलाव

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बहेड़ी ,बरेली । मानपुर में पीडीए पंचायत में मुख्य अतिथि प्रदेश महासचिव और विधायक अताउर रहमान ने कहा डॉ. भीमराव आंबेडकर को अपने जीवन में कई तरह की कठिनाइयों और और चुनौतियों का सामना करना पड़ा। वह संघर्ष से समाज में बड़ा बदलाव लाने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकारें संविधान को खत्म कर दलित, पिछड़ों और आदिवासियों को पाषाण युग में धकेलना चाहती हैं। समाजवादी बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेंद्र सोनकर, दमखोदा ब्लॉक के पूर्व प्रमुख हाजी वफाउर रहमान, जिला पंचायत सदस्य ब्रह्मस्वरुप सागर, चौधरी विजेंद्र सिंह, विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष नासिर रजा खां,युवजनसभा के जिला उपाध्यक्ष राजू मौर्य आदि मौजूद रहे।

श्री राम कथा के पांचवें दिन ज्ञान-भक्ति का संगम, नारद मुनि प्रसंग व तारकासुर संहार की गाथा से भाव विभोर हुए श्रद्धालु

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्वामी डॉ. उमाकांता नंद सरस्वती महाराज द्वारा आयोजित श्री राम कथा के पांचवें दिन कथा स्थल भक्ति और ज्ञान के भाव से सराबोर रहा। मुख्य प्रसंग में महाराज जी ने नारद मुनि की कथा, कैलाश पर्वत पर भगवान कार्तिकेय व श्री गणेश की उत्पत्ति तथा तारकासुर के संहार का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने जीवन में ज्ञान, भक्ति और धैर्य की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यही तत्व मानव जीवन को सार्थक बनाते हैं। महाराज जी ने नारद मुनि के चरित्र का वर्णन करते हुए उनकी भगवान के प्रति अटूट भक्ति, तप और वैराग्य को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि नारद मुनि का जीवन हमें निष्काम भक्ति और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। स्वामी जी ने मनु महाराज के वृद्धावस्था में वनगमन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह साक्षात ज्ञान और भक्ति का मूर्त रूप है, जो मनुष्य को जीवन के अंतिम पड़ाव में ईश्वर की शरण में जाने का संदेश देता है। पांचवें दिन की कथा में भगवान कार्तिकेय द्वारा तारकासुर के संहार की कथा ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। यह प्रसंग बुराई पर अच्छाई की विजय और अधर्म के विनाश का प्रतीक है। स्वामी जी ने कहा कि ऐसी कथाएं मानव को आत्मज्ञान, संयम और भक्ति के मार्ग पर अग्रसर करती हैं।यह श्री राम कथा डिवाइन श्री राम इंटरनेशनल चेरिटेबल ट्रस्ट, हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। परम पूज्य श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. उमाकांतानंद सरस्वती जी महाराज शाश्वतम् फाउंडेशन के संस्थापक भी हैं। उन्होंने 12 वर्ष की आयु में गुरु दीक्षा प्राप्त कर 16 वर्ष में गृह त्याग कर कठिन तपस्या की। विगत 25 वर्षों से वे रामायण, गीता, श्रीमद्भागवत, वेद, उपनिषद तथा भारतीय संस्कृति के विविध विषयों पर प्रवचन करते आ रहे हैं। वर्ष 1999 में दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में आयोजित विश्व धर्म सभा में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व भी किया।आज की श्री राम कथा के पांचवें दिवस के यजमान प्रदीप सिंह चौहान रहे। कथा आयोजन में पूजा सेवा संस्थान, बरेली, रोटरी क्लब ऑफ बरेली नॉर्थ, आर्ट एरेना, बरेली एवं श्री हरि मंदिर प्रबंध समिति, बरेली का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। श्री राम कथा 28 जनवरी से 03 फरवरी 2026 तक श्री हरि मंदिर, मॉडल टाउन, बरेली में प्रतिदिन आयोजित की जा रही है। मुख्य संयोजकों में शाश्वतम् परिवार बरेली, पूजा सेवा संस्थान के चेयरमैन पी.पी. सिंह (पूर्व रोटरी गवर्नर), संजय अग्रवाल (प्रबंध निदेशक, आर्ट एरेना) तथा रविशरण सिंह चौहान (प्रधानाचार्य एवं संयोजक, गंगा समग्र तटप्रांत ब्रज प्रदेश) शामिल हैं। कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ बरेली नॉर्थ, इनर व्हील क्लब ऑफ बरेली न्यू नॉर्थ की प्रेसिडेंट मालती देवी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु एवं शाश्वतम् परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

अपात्र महिला को किया 1.13 करोड़ का भुगतान बना गले की फांस

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। निर्माणाधीन रिंग रोड की भूमि अर्जन करने के दौरान तहसीलदार सदर की गलती से अपात्र महिला को 1.13 करोड़ रुपये के भुगतान करने का मामला अफसरों के गले की फांस बन गया है। एडीएम जे की जांच में तहसीलदार सदर की गलती से भुगतान होने पर अपात्र महिला को धनराशि रिकवर कराने के लिए वसूली प्रमाणपत्र जारी किया गया। इस पर महिला हाईकोर्ट इलाहाबाद चली गयी। महिला ने तहसील सदर से जारी वसूली प्रमाणपत्र पर रोक लगाने के लिए अर्जी लगा दी। इससे तहसील सदर और विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी कार्यालय के अधिकारी परेशान हो गए हैं। अब हाईकोर्ट से मामला निस्तारित होने या कोई आदेश आने तक महिला से इतनी बड़ी रकम रिकवर कराना संभव नहीं है, वहीं जिस महिला की भूमि अर्जन की गयी है, वह भुगतान मांग रही है। दरअसल, रिंग रोड के निर्माण के लिए सदर तहसील के महेशपुर ठाकुरान गांव की भूमि का 11 दिसंबर 2023 को अवार्ड घोषित किया गया। 13 फरवरी 2025 को तहसीलदार सदर ने अर्जन से प्रभावित संयुक्त गाटा संख्या-517 के सह खातेदारों के अंश प्रमाणपत्र उपलब्ध कराए थे। गाटे का रकबा 2.3150 हेक्टेयर है। इसमें भगवान देई को 0.3160 हेक्टेयर जमीन है। शेष जमीन चार भाइयों में अमर पाल सिंह, अर्जुन सिंह, देशपाल सिंह और यशपाल सिंह के नाम है। बाद में मामला पकड़ा गया कि भगवान देई के खाते में 1.13 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया गया। सह खातेदार यशपाल ने शिकायती पत्र देते हुए डीएम से जांच की मांग के साथ अपात्र भगवान देई से रकम वापस लेने की मांग भी की है। डीएम ने एडीएम न्यायिक एवं विशेष भूमि अध्यापित अधिकारी देश दीपक सिंह से मामले की जांच कराई। जांच में यह बात सामने आई कि राजस्व कर्मियों ने मौका और अभिलेख देखे बिना ही सह खातेदारों का अंश निर्धारित कर दिया था। उस रिपोर्ट को सत्यापित कराए बिना तहसीलदार सदर ने विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी (एसएलएओ) कार्यालय को रिपोर्ट भेज दी। उसी रिपोर्ट पर एसएलएओ ने अपात्र भगवान देई के खाते में 24 फरवरी 2025 को मुआवजा राशि ट्रांसफर की थी। इस संबंध में तहसीलदार सदर भानु प्रताप सिंह और एडीएम जे देश दीपक सिंह को कॉल की गयी मगर कॉल रिसीव न होने से इनका पक्ष नहीं मिला है।

बजट 2026-27 : दवाइयों-EV से राहत, शराब-लग्जरी सामान पर मार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / नई दिल्ली, बरेली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी 2026 को संसद में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश किया। इस बजट में कस्टम्स ड्यूटी, एक्साइज और अप्रत्यक्ष करों में किए गए बदलावों का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ने वाला है। सरकार ने मेक इन इंडिया, ग्रीन एनर्जी, स्वास्थ्य और घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं को सस्ता किया है, वहीं लग्जरी और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक उत्पादों को महंगा कर दिया गया है। दवाइयां - डायबिटीज, कैंसर और दुर्लभ बीमारियों की जीवनरक्षक दवाइयों पर कस्टम्स ड्यूटी में छूट, इलाज होगा सुलभ। खेल का सामान- खेलो इंडिया मिशन को बढ़ावा, स्पोर्ट्स इक्विपमेंट सस्ते होने की उम्मीद। इलेक्ट्रिक वाहन (EV): लिथियम-आयन बैटरी और कच्चे माल पर ड्यूटी घटने से इलेक्ट्रिक स्कूटर और कारें सस्ती हो सकती हैं। मोबाइल फोन व इलेक्ट्रॉनिक्स- कैमरा मॉड्यूल, डिस्प्ले, PCBA जैसे कंपोनेंट्स पर ड्यूटी कम, स्मार्टफोन और टैबलेट होंगे सस्ते। सोलर पैनल व रिन्यूएबल एनर्जी उपकरण- ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा, सोलर सिस्टम सस्ते होंगे। घरेलू उपकरण - माइक्रोवेव ओवन के पार्ट्स पर ड्यूटी छूट से कीमतों में गिरावट संभव। चमड़ा व फुटवियर- घरेलू उत्पादन और निर्यात को समर्थन, अप्रत्यक्ष रूप से कीमतों पर राहत। स्वास्थ्य बीमा- सेक्शन 80 डी के दायरे में विस्तार से प्रीमियम पर कुछ राहत शराब और तंबाकू उत्पाद- शराब, सिगरेट, पान मसाला, गुटखा पर एक्साइज ड्यूटी और हेल्थ सेस बढ़ा, जेब पर सीधा असर। लग्जरी आयातित सामान- हाई-एंड घड़ियां, डिजाइनर कपड़े, जूते, लग्जरी कारें और ज्वेलरी महंगी हो सकती हैं। सिन गुड्स और प्रोसेस्ड फूड- कुछ उत्पादों पर बढ़े टैक्स से महंगाई की आशंका। बजट में इनकम टैक्स स्लैब में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है, जिससे सैलरीड क्लास को सीधी राहत नहीं मिली। बजट 2026-27 में सरकार ने साफ संकेत दिया है कि स्वास्थ्य, ग्रीन एनर्जी और घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन, जबकि लग्जरी और हानिकारक वस्तुओं पर सख्ती जारी रहेगी। हालांकि इन बदलावों का वास्तविक असर बाजार और सप्लाई चेन के अनुसार आने वाले हफ्तों में दिखाई देगा।

दिव्य जीवन संघ फरीदपुर में हरि नाम की गूंज

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । श्री हरि संकीर्तन मंडल बरेली द्वारा भव्य हरिनाम संकीर्तन भजन संध्या फरीदपुर में ओम रेजिडेंसी में स्वामी शिवानंद सत्संग भवन में हुई। हरिमंदिर बरेली संकीर्तन मंडल द्वारा हरिनाम की गंगा बहाई गई। भजन संध्या का आयोजन शताब्दी वर्ष पर हुआ। मंदिर प्रबंध समिति अध्यक्ष सुशील अरोड़ा द्वारा दीप प्रज्वलित कर भजन संध्या की शुरुआत की गई। रवि छाबड़ा ने जे श्री राधे राधे भजन....... की धुन से पूरा सत्संग हॉल राध्यमय हो गया। संजय आनन्द ने याद याद आई तेरी रे रंगीला सवारियां,जतिन दुआ ने राधे राधे श्याम से मिला दे हम को..... विनोद भाटिया ने श्याम है दीवाना तेरा.......सचिन सेठी ने श्याम सुंदर की नगरिया चल देख आए रे..........पंकज कुमार ने मन मंदिर में घनश्याम रहे फिर झूठा संसार रहे न रहे.......सौरभ ने राधा बिन श्याम कैसे मिले.......गोविंद तनेजा ने कृष्ण गोविंद गोविंद, हे गोपाल राधा कृष्ण...... आदि भजनों के माध्यम से पूरा आश्रम प्रांगण राधामय हो गया। इस अवसर पर हरि मंदिर महिला मंडल अध्यक्ष रेनू छाबड़ा भी अपनी महिला मंडल सदस्यों के भजन संध्या में उपस्थित रहे। दिव्य जीवन संघ फरीदपुर के संचालक डॉ श्री गुजराल ने सभी भक्तजनों का पधारने पर आभार व्यक्त किया और आश्रम द्वारा किया जा रहे सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। सभी भक्तों ने गुरुचरणों में शीश नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। भजन संध्या की पर भंडारा प्रसाद वितरण किया गया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

साकेत वासी श्री 1008 श्री संत कनक बिहारी दास महाराज जी के स्मृति में रघुवंशी समाज युवक युवती परिचय सम्मेलन विदिशा में संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा। संस्कार, संस्कृति, संगठन और संघर्ष इन चार स्तंभों पर खड़ा एक ऐतिहासिक सामाजिक आयोजन रविवार को विदिशा के शहनाई गार्डन में में साकार हुआ। रघुवंशी समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं करियर काउंसलिंग शिविर न केवल समाज के लिए, बल्कि पूरे अंचल के लिए प्रेरणा का स्रोत बनकर उभरा। यह पहला अवसर था जब विदिशा जिले में इतने व्यापक स्तर पर यह आयोजन हुआ और इसकी गूंज जिले की सीमाओं से निकलकर अन्य जिलों तक पहुँची। करीब 2000 से अधिक सहभागियों की मौजूदगी ने इसे समाज की संगठन शक्ति और एकता का जीवंत प्रमाण बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अयोध्या से पधारे महंत और अंतरराष्ट्रीय कथावाचक रघुवंशी समाज के संत रामकिशोर दास जी महाराज, गंजबासौदा विधायक हरि सिंह रघुवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष गीता कैलाश रघुवंशी, हरदा से आए जिला जज अरविंद रघुवंशी रघुवंशी, समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व विधानसभा सचिव डॉ उमाशंकर रघुवंशी, राष्ट्रीय संयोजक ग्यारसपुर गजेंद्र सिंह रघुवंशी तरफदार, कार्यकारी अध्यक्ष रामेश्वर रघुवंशी उदयपुरा, महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनिंदा रघुवंशी, प्रदेश अध्यक्ष प्रहलाद सिंह रघुवंशी, जनपद पंचायत अध्यक्ष विदिशा वीर सिंह रघुवंशी नटेरन जनपद पंचायत अध्यक्ष संगीता यशपाल सिंह रघुवंशी, जिला पंचायत सदस्य गायत्री नरेंद्र सिंह रघुवंशी, समाज सचिव खुमान सिंह रघुवंशी उदयपुरा, युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर रघुवंशी, कार्यकारी अध्यक्ष अमित रघुवंशी, विदिशा जिला अध्यक्ष मोहर सिंह रघुवंशी, भगत सिंह रघुवंशी कोलिजा सहित अन्य अतिथियों ने भगवान श्री सीताराम जी और साकेतवासी कनकबिहारी दास जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से किया। इस गरिमामय में समारोह में धर्म क्षेत्र से संतों का मार्गदर्शन तो समाज को मिला ही वहीं न्याय क्षेत्र, और कर्म क्षेत्र से जुड़ी प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति ने सम्मेलन को वैचारिक गहराई दी। संतों ने आस्था और मर्यादा का मार्ग दिखाया, न्याय क्षेत्र से आए विद्वानों ने अनुशासन और निष्पक्षता का महत्व समझाया, जबकि कर्म क्षेत्र से जुड़े जनप्रतिनिधि, डॉक्टर और इंजीनियरों ने परिश्रम को सफलता की कसौटी बताया। इन सभी के अनुभवों के बीच संघर्ष करते हुए अपने मुकाम तक पहुंचे युवक-युवतियों की सहभागिता ने आयोजन को जीवंत बना दिया। यह अनुभव और संघर्ष की युति ही सम्मेलन का सार बना जिसने युवाओं को संदेश दिया कि आस्था, न्याय और कर्म जब एक दिशा में चलते हैं, तब सफलता केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक उपलब्धि बन जाती है। कार्यक्रम का संचालन देवेंद्र रघुवंशी ने किया इस आयोजन में विदिशा जिले के अलावा गुना अशोकनगर बैतूल होशंगाबाद हरदा इंदौर उदयपुर रायसेन नरसिंहपुर सहित अन्य जिलों से रघुवंशी समाज के बंधु बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

परिचय सम्मेलन~ मंच पर आत्मविश्वास, चेहरे पर मुस्कान, शब्दों में संस्कार सम्मेलन का सबसे सशक्त पक्ष रहा मंच से युवक-युवतियों का परिचय। डॉक्टर, इंजीनियर, उच्च शिक्षा में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवा और अपने भविष्य की मंजिल तलाशते सपनों से भरे चेहरों परिचय के दौरान झिझक नहीं थी बल्कि हर परिचय में आत्मविश्वास झलकता रहा।

विशेष बात यह रही कि कई युवतियाँ पहली बार मंच पर पहुँचीं, लेकिन कहीं भी झिझक नहीं दिखी। उनकी वाणी में संस्कार थे, प्रस्तुति में संस्कृति और दृष्टि में आत्मनिर्भर भविष्य की स्पष्ट झलक थी। संघर्ष के बूते पर मुकाम हासिल करने वाली मध्यम वर्गीय ग्रामीण परिवेश की में पली बडी डीएसपी पद पर चयनित आरती रघुवंशी ने अपने संघर्ष और सफलता पर समाज की युवाओं को दिशा देते हुए अपनी सफलता में भगवान श्री राम के आदर्श, रामायण के साथ-साथ परिवार का बड़ा सहयोग बताया। डीएसपी आरती रघुवंशी ने कहा कि संघर्ष हर जीवन में आता है, लेकिन जो संस्कारों से जुड़ा रहता है, वही कठिन परिस्थितियों में भी सही निर्णय ले पाता है। वित्त विभाग में असिस्टेंट कमिश्नर के पद पर चयनित दीपनाखेड़ा के आकाश रघुवंशी ने भी अपनी सफलता और संघर्ष पर समाज के युवाओं से आवाहन किया कि वह संघर्ष से घबराएं नहीं सफलता पर अभिमान ना करें।

एक मंच, एक आवाज~ संगठित समाज ही बदलाव लाता है

इस सम्मेलन की गरिमा तब और बढ़ गई जब मंच पर समाज के संत, न्यायपालिका से जुड़े जज, कार्यपालिका के रूप में विधायक, प्रशासनिक अधिकारी, डॉक्टर और इंजीनियर एक साथ उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान एक ही मंच पर समाज की प्रतिभाओं का परिचय अपने आचरण और व्यवहार से दिखाई दे रहा था। जहां संत समाज को धर्म युक्त अपने वक्तव्य से दिशा दे रहे थे वही प्रशासनिक न्यायपालिका कार्यपालिका के रूप में पहुंचे वक्त अतिथि संत, जज, डॉक्टर, इंजीनियर, विधायक~ सबका एक मत शिक्षा से चेतना, संगठन से होगी क्रांति। संगठित सामाजिक परिवर्तन का सूचक बनता है इसलिए संगठित होकर समाज को दिशा दें। यह केवल उपस्थिति नहीं थी, बल्कि मार्गदर्शन की सामूहिक चेतना थी।

62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा में कस्टम विभाग के बाह्य/ शारीरिक एवं शस्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा की अध्यक्षता में वाहिनी मुख्यालय भिनगा में कस्टम (Customs) विभाग के 46 हवलदारों हेतु आयोजित एक सप्ताह के बाह्य/शारीरिक एवं शस्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया।

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षुओं को सशस्त्र सीमा बल के अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा ड्रिल, शारीरिक दक्षता, हथियारों का सुरक्षित संचालन एवं उपयोग, शस्त्र अभ्यास, सुरक्षा, सतर्कता एवं अनुशासन से संबंधित विषयों पर सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

समापन अवसर पर कमांडेंट ने अपने संबोधन में प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों से विभिन्न विभागों के कार्मिकों की कार्यकुशलता, समन्वय एवं पेशेवर दक्षता में वृद्धि होती है। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण को अपने कार्य व्यवहार में अपनाने एवं कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी, सतर्कता एवं आत्मविश्वास के साथ करने हेतु प्रेरित किया।

समापन समारोह के दौरान प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले प्रशिक्षकों एवं सहयोगी स्टाफ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर वाहिनी के वरिष्ठ अधिकारी, प्रशिक्षकगण एवं अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

महुली मोड़ फिर बना जानलेवा रात में पेड़ से टकराई बाइक, सुबह सड़क किनारे मिला युवक का शव

क्यूँ न लिखूँ सच/ ओडगी / चांदनी बिहारपुर बिहारपुर-उमझर मुख्य मार्ग पर स्थित महुली मोड़ एक बार फिर दर्दनाक हादसे का गवाह बना। शनिवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई। रात का समय और सुनसान सड़क होने के कारण दुर्घटना की जानकारी किसी को नहीं लग सकी।

जानकारी के अनुसार बाइक सवार युवक मोड़ पार करते समय अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खड़े महुआ पेड़ से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक गंभीर रूप से घायल होकर वहीं गिर पड़ा। ठंड और अधिक रक्तस्राव के कारण उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

रविवार सुबह जब ग्रामीण मॉर्निंग वॉक पर निकले, तब उन्होंने सड़क किनारे टूटी हुई बाइक और युवक का शव देखा। दृश्य देखकर लोगों में दहशत फैल गई।

तुरंत एंबुलेंस और चांदनी थाना को सूचना दी गई।

पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक की पहचान भगवान दास यादव (लगभग 22 वर्ष) निवासी छतौवली, सिंगरौली (मध्य प्रदेश) के रूप में हुई है। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया।

तीन महीनों में कई हादसे ग्रामीणों का कहना है कि महुली मोड़ लगातार दुर्घटनाओं का केंद्र बना हुआ है। पिछले तीन महीनों में यहां पांच से अधिक सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें पहले भी दो लोगों की जान जा चुकी थी। इसके बावजूद अब तक सड़क सुरक्षा को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

सुरक्षा इंतजामों का अभाव स्थानीय लोगों ने बताया कि मोड़ पर न तो चेतावनी संकेतक लगे हैं, न स्पीड ब्रेकर और न ही सड़क किनारे सुरक्षा बैरियर। रात के समय रोशनी की व्यवस्था भी नहीं है, जिससे वाहन चालकों को मोड़ का अंदाजा नहीं लग पाता और हादसे हो जाते हैं।

प्रशासन से मांग ग्रामीणों ने प्रशासन से महुली मोड़ को दुर्घटना संभावित क्षेत्र घोषित कर तत्काल सुधार कार्य शुरू करने की मांग की है। उन्होंने रिफ्लेक्टर बोर्ड, स्पीड ब्रेकर, सोलर लाइट और सुरक्षा बैरियर लगाने की मांग उठाई है।

यह हादसा एक बार फिर ग्रामीण सड़कों पर सुरक्षा इंतजामों की कमी को उजागर करता है। क्षेत्र में शोक का माहौल है और लोग प्रशासन से जल्द कार्रवाई की उम्मीद लगाए हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

मानव तस्करी के विरुद्ध 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की बड़ी कार्रवाई – 04 नाबालिग नेपाली लड़कियां मुक्त, 02 तस्कर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा (उ.प्र.) के कुशल दिशा-निर्देशन में 62वीं वाहिनी अंतर्गत समवाय गुज्जरगौरी द्वारा मानव तस्करी के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय कार्रवाई को अंजाम दिया गया 62वीं वाहिनी से प्राप्त एक विश्वसनीय सूचना के आधार पर यह जानकारी प्राप्त हुई कि समवाय गुज्जरगौरी के कार्यक्षेत्र में 02 भारतीय व्यक्ति मोटर साइकिलों के माध्यम से 04 नेपाली नाबालिग लड़कियों को नेपाल से भारत की ओर मानव तस्करी/देह व्यापार के उद्देश्य से ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही समवाय गुज्जरगौरी एवं पुलिस थाना सिरसिया की संयुक्त प्रचालन पार्टी द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम भचकाई, जनपद श्रावस्ती (उ.प्र.) में संदिग्ध व्यक्तियों को रोका गया। संयुक्त कार्रवाई के दौरान 02 भारतीय मानव तस्करों को मौके पर ही पकड़ा गया तथा उनके कब्जे से 04 नेपाली नाबालिग लड़कियों को सकुशल मुक्त कराया गया। मौके से प्रयुक्त मोटर साइकिलें भी जब्त की गईं। मुक्त कराई गई सभी नेपाली लड़कियों एवं पकड़े गए व्यक्तियों को NGO Dehat India की उपस्थिति में आवश्यक वैधानिक कार्यवाही हेतु पुलिस थाना सिरसिया, जनपद श्रावस्ती (उ.प्र.) के सुपुर्द किया गया है। इस संयुक्त अभियान में 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, उत्तर प्रदेश पुलिस एवं NGO Dehat India के मध्य उत्कृष्ट समन्वय देखने को मिला। यह कार्रवाई मानव तस्करी जैसे जघन्य अपराध के विरुद्ध सशस्त्र सीमा बल की सतत सतर्कता, त्वरित प्रतिक्रिया एवं मानवीय दायित्व को सशक्त रूप से प्रदर्शित करती है।

सेवानिवृत्त 03 पुलिस कर्मियों को क्षेत्रधिकारी भिनगाने पुलिस लाइन मे दी गई भावभीनी विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। क्षेत्राधिकारी भिनगा सतीश कुमार शर्मा व क्षेत्राधिकारी लाइन आलोक कुमार सिंह द्वारा जनपद श्रावस्ती में सेवानिवृत्त हुए कुल 03 पुलिस कर्मियों के सम्मान में गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उप निरीक्षक नागरिक पुलिस अनिल कुमार गिरी, उप निरीक्षक नागरिक ,पुलिस प्रेमचंद एवं उप निरीक्षक परिवहन शाखा वीरेंद्र प्रसाद को उनके दीर्घकालिक, अनुशासित एवं निष्ठापूर्ण सेवाकाल के लिए सम्मानित किया गया। क्षेत्राधिकारीगण द्वारा सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं विभाग के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा गया कि उन्होंने अपने सम्पूर्ण सेवाकाल में कानून-व्यवस्था, जनसेवा एवं विभागीय अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके द्वारा प्रदर्शित कार्यसंस्कृति वर्तमान एवं नव-नियुक्त पुलिस कर्मियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगी। पुलिस विभाग उनके अमूल्य योगदान पर गर्व करता है। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारीगण द्वारा सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों को स्मृति चिह्न भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

चौपाल लगाकर बहु - बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत ग्राम शीशवारा दा0 असावा मोहम्मदपुर जनपद बहराइच में चौपाल लगाकर बहु - बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया कार्यक्रम में गांव की महिलाओं और बच्चियों को उच्चाधिकारी द्वारा दिए गये आदेशो निर्देशों के क्रम मे तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा

संचालित जन कल्याणकारी योजना के बारे मे व बालिकाओं से उनकी समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए महिलाओं पर हो रहे अपराध के प्रति उन्हें जागरूक किया गया.महिला संबंधी घटित अपराध की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर,1090,1098 ,1076, 112 ,181, 108, व साइबर संबंधित अपराध के शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1930 की जानकारी दी गई तथा सरकारी योजनाएं जैसे कन्या सुमंगला योजना,मातृ वंदना योजना,वृद्धा पेंशन योजना,आयुष्मान प्रधानमंत्री,विधवा पेंशन योजना, उज्जवला योजना * व बालिकाओं से उनकी समस्याओं के बारे में पूछताछ करते हुए जानकारी दी गयी। मिशन शक्ति टीम थाना मटेरा हे0का0 दिग्विजय सिंह म0का0 प्रियंका वर्मा

महुली मनरेगा बचाओ अभियान कांग्रेस मंडल अध्यक्ष शिशुपाल जायसवाल ने मजदूरों से किया संवाद, कहा - हक दिलाकर रहेंगे

क्यूँ न लिखूँ सच/ ओडगी / जनपद पंचायत ओडगी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत महुली में रविवार को मनरेगा बचाओ संघर्ष कार्यक्रम जोरदार तरीके से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व शिशुपाल जायसवाल, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष महुली (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस) ने किया। उनके साथ मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में गांव पहुंचे और मनरेगा मजदूरों से सीधा संवाद किया।

अभियान के दौरान पदाधिकारियों ने घर-घर संपर्क कर मजदूरों की समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने बताया कि कई स्थानों पर मनरेगा के तहत पर्याप्त काम उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जॉब कार्डधारियों को नियमित रोजगार नहीं मिल रहा और मजदूरी भुगतान में भी देरी हो रही है, जिससे परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है।

कांग्रेस मंडल अध्यक्ष शिशुपाल जायसवाल ने कहा कि मनरेगा योजना ग्रामीण गरीबों की जीवनरेखा है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मजदूरों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक मजबूती से पहुंचाया जाएगा और समाधान के लिए हर स्तर पर आवाज उठाई जाएगी।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, मनरेगा मजदूरों का हक है। उन्हें समय पर काम और मजदूरी मिले, यह सुनिश्चित कराया जाएगा। जरूरत पड़ी तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा और अभियान को गांव-गांव तक ले जाया जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में मजदूरों और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर मनरेगा के संरक्षण और मजदूर अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। गांव में इस पहल को लेकर उत्साह देखा गया और ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि अब उनकी आवाज प्रशासनिक स्तर तक मजबूती से पहुंचेगी।

19 वर्षों से हर मौसम में निकल रही रामधुन

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ पठारी। 19 वर्ष पूर्व एक फरवरी को कमलेश यादव एवं धार्मिक लोगो के द्वारा प्रतिदिन सुबह से रामधुन निकालने की शुरुआत की गई थी जो आज तक जारी है। जिसमें देसी संगीत के साथ लोग भगवान राम का नाम लेते हुए निकल रहे हैं और धर्म की अलख जगा रहे हैं। कैसी भी ठंड हो कैसी भी बारिश पिछले 19 वर्षों से सुबह-सुबह रामधुन निरंतर निकाली जा रही है। रामधुन की शुरुआत में 12 वर्ष तक नगर की आधी परिक्रमा लगाकर चलती रही लेकिन पिछले 7 वर्षों से पूरे नगर की 2 किलोमीटर की परिक्रमा की जा रही है। हारमोनियम ढोलक खंजड़ी लेकर और भजन कीर्तन करते-करते राम धुन निकाली जाती है । रामधुन में अधिकांश लोग नहा कर ही शामिल होते हैं और नगर के सभी मंदिरों के दर्शन करते हुए आगे बढ़ जाते है । कमलेश यादव ने बताया कि विगत 19 वर्षों से रामधुन

निकाली जा रही है, इन 19 वर्षों में लोगों का आना-जाना लगा रहा लेकिन रामधुन निरंतर निकाली जा रही है। आज तक लोगों के शामिल होने का सिलसिला घटता बढ़ता रहा और रामधुन चलती रही है और चलती रहेगी । कमलेश यादव, रवि विश्वकर्मा, रवि कुशवाह, मोतीलाल साहू, अशोक साहू, वीर सिंह यादव, कृष्णा यादव, शिवदयाल साहू, मूरत सिंह ठाकुर, वीर सिंह कुर्मी, उधम पटेल, कैलाश पटेल, राम सिंह पटेल, माखन महाराज, देवी लाल अहिरवार आदि के द्वारा निकाली जा रही है। 1 फरवरी को विशेष रामधुन में देवेंद्र सिंह ठाकुर कोमल प्रसाद सेन मनोज रिछारिया शैलेंद्र चौधरी करोड़ी लाल साहू सुरेंद्र भदोरिया रज्जन सुमन सतीश वाल्मीकि सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का प्रकाश प्रभु शोभायात्रा निकाला गया

क्यूँ न लिखूँ सच/संवाददाता अमरीक सिंह/हर वर्ष की भांति गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा डिहवा से गुरु गोविंद सिंह महाराज जी का शोभायात्रा धनौली गौरा मटेरा होते हुए डिहवा वापस प्रस्थान हुआ नगर कीर्तन व शोभायात्रा में पंजाब से गतका पार्टी अपने तलवारबाजी प्रदर्शन किया घुड़सवार भी अपना शोभायात्रा में अपना जौहार दिखाए हर वर्ष दशम पिता

श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज जी का प्रकाश पर्व बड़े हर और उल्लास के साथ ग्राम सभा डिहवा वह समूह संगत मिलकर मनाया जाता है हर जगह-जगह चाय लंगर का स्टाल लगा हुआ था शोभायात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर रही नानपारा पुलिस व थाना मटेरा थाना अध्यक्ष हरिकेश सिंह के द्वारा पुलिस बल व्यवस्था दुरुस्त रहा छपे छपे पर नजर पुलिस बनाए रखी हुई थी

पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी और पांचवीं चोरी पूरी

क्यूँ न लिखूँ सच/ लवकुश ठाकुर / अलीगढ़। थाना गांधी पार्क अलीगढ़ में नौरंगाबाद पुलिस चौकी के पीछे चंद कदमों की दूरी पर बदमाश लगातार चोरी जैसी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं और इलाका पुलिस ठंड में कंबल ओढ़ कर सो रही है।

कल 31 जनवरी की रात नौरंगाबाद पुलिस चौकी के पीछे प्रतीक चौधरी एडवोकेट के मकान में बदमाश घुस आए और ताले काटकर लाखों रुपए का सामान ज्वेलरी व रुपए चुरा कर ले गए। सुबह होने पर जब इसकी सूचना मिली तो पुलिस को 112 नंबर पर सूचना दी गई। 112 नंबर व गांधी पार्क पुलिस मौके पर पहुंची घटनास्थल का मौका मुआयना किया और फोटोग्राफी वीडियोग्राफी की। पुलिस के सामने ही वहां के निवासियों ने कहा कि यहां लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही है पुलिस कार्यवाही नहीं करती है । असामाजिक तत्व शाम ढलते ही गलियों में खड़े होकर शराब पीते हैं जुआ खेलते हैं । टोकने पर जान से मारने की धमकी देते हैं ।

दिवाली से लेकर अब तक की पांचवी चोरी है। प्रतीक चौधरी एडवोकेट के घर हुई चोरी में बदमाश लाखों रुपए के सोने व चांदी के जेवर और ?20000 नगद व अन्य सामान भी चुरा कर ले गए हैं थाने पर लिखित सूचना देने के बाद पीड़ित को चौकी नौरंगाबाद भेज दिया जहां देखा चौकी बंद पड़ी हुई है जिसके बाद ह्यद्धश गांधी पार्क को फोन किया तो फोन नहीं उठाया जिसके बाद सी ओ सेकेंड को फोन किया नहीं उठाया गया जिसके बाद ssp अलीगढ़ को फोन किया एवं डी आई जी अलीगढ़ मंडल को दो बार फोन किया तब जाकर दो घंटे बाद चौकी पर ह्यद्धश पहुंचे और ह्यद्धश पहुंचे के बाद चौकी इंचार्ज नफीस अहमद पहुंचे इस चौकी के क्षेत्र में आए दिन घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है लेकिन चौकी स्तर से मामलों को रफा दफा कर दिया जाता है चौकी पुलिस चौकी को छोड़कर इधर उधर दुकानों पर बैठकर चाय और गप्पे मरते फिरते है, यह हाल जब है जब जिले के ह्यह्यश्च महोदय क्राइम पर नकेल कसने में लगे है लेकिन यह चौकी इंचार्ज पर कप्तान साहब के निर्देशों का भी कोई फर्क नहीं है घटना के लगभग सूचना देने के लगभग 6 घंटे बाद फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची।

महुली में कुएं में गिरने से 2 वर्षीय तेंदुए की मौत, वन विभाग जांच में जुटा

क्यूँ न लिखूँ सच/ ओडगी / चांदनी बिहारपुर / सूरजपुर जिले के महुली ग्राम पंचायत से एक बेहद दुखद और चिंताजनक वन्यजीव घटना सामने आई है।

यहां एक लगभग दो साल के तेंदुए के बच्चे की खुले कुएं में गिरने से मौत हो गई। यह घटना मानव बस्तियों और जंगल के बीच बढ़ते संपर्क और सुरक्षा व्यवस्थाओं की कमी पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह तेंदुआ बीती रात भोजन की तलाश में जंगल से गांव की ओर आया था। महुली क्षेत्र गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान और वन क्षेत्र से लगा हुआ है, जिसके कारण यहां अक्सर जंगली जानवरों की आवाजाही बनी रहती है। आशंका जताई जा रही है कि शिकार की तलाश में भटकते हुए तेंदुए का बच्चा गांव के पहाड़पारा इलाके में पहुंच गया।

गांव के मुख्य मार्ग से लगभग 200 मीटर दूर खेत में मनरेगा योजना के तहत बनाया गया एक कुआं खुला हुआ था। रात के अंधेरे में तेंदुआ इस कुएं को देख नहीं सका और सीधे उसमें जा गिरा। कुएं की गहराई अधिक होने और बाहर निकलने का कोई सहारा न होने के कारण वह घंटों तक अंदर फंसा रहा। अनुमान है कि करीब 12 से 15 घंटे तक संघर्ष करने के बाद उसकी मौत हो गई।सुबह जब ग्रामीण खेत की ओर गए, तो कुएं में किसी बड़े जानवर को मृत अवस्था में तैरता देखा गया। पहले लोगों को समझ नहीं आया, लेकिन पास जाकर देखने पर तेंदुए का शव नजर आया। इसके बाद गांव में खबर तेजी से फैल गई। ग्रामीणों ने तुरंत स्थानीय जनप्रतिनिधि और कांग्रेस मंडल अध्यक्ष शिशुपाल जायसवाल को इसकी सूचना दी। उन्होंने तत्काल वन विभाग और राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन को मामले की जानकारी पहुंचाई।

सूचना मिलते ही वन विभाग बिहारपुर की टीम मौके पर पहुंची। उनके साथ गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारी भी मौजूद रहे। संयुक्त दल ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, पंचनामा तैयार किया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद रस्सियों और उपकरणों की मदद से तेंदुए के शव को कुएं से बाहर निकाला गया।वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार मृत तेंदुए की उम्र लगभग दो वर्ष आंकी गई है। शव को आगे की जांच और पोस्टमार्टम के लिए बिहारपुर वन विभाग कार्यालय ले जाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह स्पष्ट होगा कि मौत केवल डूबने से हुई या गिरने के दौरान गंभीर चोट भी लगी थी। जांच पूरी होने के बाद वन्यजीव नियमों के तहत अंतिम संस्कार किया जाएगा।

यह घटना एक बार फिर इस बात की चेतावनी है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खुले पड़े कुएं जंगली जानवरों के लिए मौत का जाल बनते जा रहे हैं। खासकर वे गांव जो जंगल और राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से लगे हैं, वहां ऐसे हादसों की आशंका ज्यादा रहती है। वन्यजीव अक्सर भोजन या पानी की तलाश में आबादी की ओर आते हैं और असुरक्षित संरचनाओं में फंस जाते हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे कुओं के चारों ओर ऊंची दीवार, जाली या मजबूत ढक्कन लगाया जाना जरूरी है। साथ ही वन विभाग और पंचायतों के बीच समन्वय बढ़ाकर संवेदनशील इलाकों की पहचान कर सुरक्षा उपाय किए जाने चाहिए।फिलहाल वन विभाग की टीम मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है। आसपास के जंगलों में तेंदुए की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।महुली की यह घटना सिर्फ एक गांव की कहानी नहीं, बल्कि मानव और वन्यजीव के बीच बढ़ते टकराव की एक गंभीर तस्वीर है - जो यह सवाल छोड़ जाती है कि विकास और सुरक्षा के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए।

संक्षिप्त समाचार

अवैध गांजे की बिक्री करने वाले 02 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ संवाददाता सोनू /ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर / थाना बिसरख - अवैध गांजे की बिक्री करने वाले 02 अभियुक्त गिरफतार, कब्जे से 02

किलो 650 ग्राम अवैध गांजा व घटना में प्रयुक्त एक स्कूटी बरामद।

थाना सेक्टर-142 पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ संवाददाता सोनू /ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर /थाना सेक्टर-142 पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफतार, कब्जे से चोरी की एप्पल कंपनी की 03 वॉच, 01

AirPods बरामद। कार्यवाही का विवरण- दिनांक 30.01.2026 को थाना सेक्टर-142 पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना की सहायता से 01 अभियुक्त हेमन्त मलिक पुत्र नरेन्द्र मलिक को पिलर नं0- 331 के पास सेक्टर-137 नोएडा से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से चोरी की एप्पल कंपनी की 03 वॉच, 01 AirPods बरामद किए गए है। अपराध करने का तरीका- अभियुक्त हेमन्त मलिक अलग-अलग नाम और पते का उपयोग कर ऑनलाइन कैश ऑन डिलीवरी ऑर्डर करता था। इसके पश्चात वह ऑर्डर को रद्द (कैंसिल) कर देता था और डिलीवरी के लिए आने वाले व्यक्ति के बैग से आर्डर किया गया सामान चुरा लिया करता था।। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- हेमन्त मलिक पुत्र नरेन्द्र मलिक निवासी ग्राम बरहाना, झज्जर (हरियाणा) उम्र 21 वर्ष। पंजीकृत अभियोग व आपराधिक इतिहास का विवरण- 1- मु0अ0सं0- 18/2026 धारा 317(2)/317(5) बीएनएस, थाना सेक्टर-142, गौतमबुद्धनगर। 2- मु0अ0सं0- 22/2026 धारा 303(2) बीएनएस, थाना एक्सप्रेस-वे, गौतमबुद्धनगर। बरामदगी का विवरण- चोरी की एप्पल कंपनी की 03 वॉच, 01 AirPods ब

महिला को आत्महत्या के लिये दुष्प्रेरित करने वाले आरोपी को 24 घण्टे में गिरफ्तार कर जेल भेजा।

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, थाना इन्दार के मर्ग क्र.05 धारा 194 बीएनएसएस की जांच के दौरान मृतिका के परिजनों ने अपने कथनों में मृतिका सोना उर्फ सोनम पत्नि धनपाल उर्फ मोहरसिंह जाटव उम्र 27 साल निवासी ग्राम इमलावदी चक थाना इन्दार को पति धनपाल व ससुर

मुलुआ उर्फ मूलचन्द जाटव द्वारा बार-बार परेशान व लडाई झगडा करने से तंग (दुष्प्रेरित) आकर दिनांक 15.01.2026 को जहरीले पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या करना बताया था जिस पर से थाना इन्दार पर आरोपीगण धनपाल उर्फ मोहरसिंह जाटव व मुलुआ उर्फ मूलचन्द जाटव के विरूद्ध अपराध धारा 108, 3(5) बीएनएस कायम कर विवेचना मे लिया गया। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ द्वारा प्रकरण को गम्भीरता से लेते हुए आरोपीगणों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु दिशा निर्देश दिये, उक्त निर्देशों के पालन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री संजीव मुले एवं एसडीओपी कोलारस श्री संजय मिश्रा के मार्ग दर्शन में आज दिनांक 01.02.2026 को आरोपी धनपाल उर्फ मोहरसिंह जाटव पुत्र मुलुआ उर्फ मूलचन्द जाटव उम्र 27 साल निवासी ग्राम इमलावदी चक थाना इन्दार जिला शिवपुरी को मात्र 24 घण्टे के भीतर गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया । इनकी रही भूमिका - थाना प्रभारी विवेक यादव, प्रआर.हरीसिंह, आर.789 बृजेश भील, आर.नेपालसिंह भील,आर.भंगू भिलाला,आर.आनन्द भार्गव की सराहनीय भूमिका रही ।

Grow roses without a gardener, flowers will bloom on every branch.

Growing a rose plant at home and keeping it blooming in a pot is easy. Simply adopt the traditional method of planting a rose. Here are some gardening tips for growing roses in a pot. Rose Day is the first day of Valentine's Day. On this day, people give roses to their loved ones. Rose Day is celebrated on January 7th. A single rose expresses many emotions, depending solely on the color of the flower. Recognizing the importance of roses, the price of the flower is high in the market, especially during Valentine's Day. But if you plant a rose plant at home, you can give it to your loved one on any occasion, not just Valentine's Day. People believe that growing roses requires a gardener, special soil, and expensive fertilizers. The truth is that roses are not as fussy as we assume. There are some traditional methods that can fill your pot with roses even without a gardener. Roses require discipline, not effort. If you provide timely sunlight, limited water, and indigenous fertilizer, your pot will bloom with flowers even without a gardener. Here's a method for growing roses, perfect for planting and growing roses in ordinary homes, on terraces, or balconies. The right way to plant a rose at home without a gardener: Choosing the right plant: The first rule is to get a grafted rose or a ready-made plant from a nursery. Growing roses from seed requires both time and patience. Desi, mini, or evergreen varieties are best for home use. The pot should allow the roots to breathe—roses need a deep pot, at least 10–12 inches deep. A hole in the bottom is essential, otherwise water will stagnate and the roots will rot. A cement or clay pot is considered the best. This indigenous soil recipe: Forget expensive potting mix. Use this mixture: 40% regular garden soil, 30% decomposed cow dung or vermicompost, 20% river sand, and 10% neem cake, which will prevent pests. Correct planting method: First, place pebbles or broken bricks in the pot, then fill with soil. Keep the plant upright; do not bend the roots. Water gently after planting. Avoid direct sunlight for 2-3 days after planting. Sunlight and air are the true needs of roses. Roses need at least 5-6 hours of sunlight daily. A balcony, terrace, or open space near a window is best. Remember the watering rule: water as needed, not daily. Water only when the topsoil feels dry. Avoid watering the leaves. Overwatering is a rose's biggest enemy. To induce flowering, apply a natural fertilizer every 15 days: mustard cake soaked in water, or buttermilk and water (1:5 ratio). Banana peel fertilizer will promote more buds and larger flowers. Don't be afraid to prune; cut off flowers immediately after they fade. Light pruning is necessary at the end of winter. This is where new shoots and abundant flowers emerge. For natural protection against pests and diseases, spray a mixture of neem oil and water once a week. Spray a mild soap solution for aphids as chemical sprays kill roses and prevent them from growing flowers.

Don't throw away potato, gourd, and ridge gourd peels; make delicious snacks with this method.

Vegetable peels provide both nutrition and flavor. Don't throw them away, instead, serve them as crunchy snacks. No one will believe they're made from the peels that are often discarded as garbage. Nothing in Indian homes is considered garbage. Something new can be made from them. But does this rule apply to Indian kitchens? Yes, it definitely does. Vegetable peels are discarded daily in Indian kitchens. We often consider the peels of potatoes, gourds, and ridge gourds useless, but they are a treasure trove of flavor and nutrition. In our grandmothers' times, zero-waste kitchens were a part of life. You too can adopt this approach and turn waste into wonder—making delicious dishes from peels. This article explains how to make delicious snacks from vegetable peels. Believe me, after tasting these, no one will be able to guess that this is a recipe prepared from peels. Vegetable peels are very useful. Potato peels are rich in fiber and iron. Bottle gourd and ridge gourd peels contain antioxidants and elements essential for digestion. By washing and cooking them properly, they provide health along with taste. Crispy Potato Peel Chips Ingredients- Potato peels Salt as per taste Red chili powder Chaat masala Oil (for frying or air frying) Method- Wash the potato peels thoroughly and soak them in salt water for 10 minutes. Drain the water and dry them. Mix the spices and fry them in a pan on medium flame till they turn golden. If you want, you can also make them in an air fryer. These are crispy from outside, light from inside and make a perfect snack with tea. Spicy Bottle Gourd Peel Pakodas Ingredients- Bottle gourd peel (finely chopped) Gram flour Celery Green chillies Salt Oil Method- Mix gram flour, salt, celery and chillies in the peels Add some water and make a thick batter Fry small pakodas in hot oil This snack enhances the taste of tea in the rainy season. Ridge gourd peel crispy cutlet Ingredients Ridge gourd peel Boiled potatoes Bread crumbs Ginger-garlic paste Salt, garam masala Oil Method- Lightly boil the peels and squeeze them Mash them with potatoes and spices Make tikkis Wrap them in bread crumbs Shallow fry them on a pan Crispy from outside, soft from inside, these snacks will be especially liked by children.

A couple trip on Valentine's Day? You won't regret it if you plan one.

If couples are planning a trip on Valentine's Day, keep a few things in mind so they can grow closer together. Limiting Valentine's Day to just roses, chocolates, and dinner dates is unfair. Love needs time, space, and sometimes even travel. A short trip with your partner gives a relationship the depth that can often be lost in the hustle and bustle of everyday life. Moments spent together create memories, and with the right planning, a Valentine's Day trip can last a lifetime. If you're planning a trip with your partner this Valentine's Day, the Valentine's Day plan described in this article will be helpful. Before planning a Valentine's Day trip, make sure that you don't make any plans without talking to your partner. Based on their time, preferences, and preferences, decide on your budget. Whether you want peace or adventure, where should you go: mountains, sea, or city? Choose a destination with less crowds. Names like Goa, Manali, and Udaipur sound attractive on Valentine's Day, but in reality, they're a combination of crowds and high prices. Choose destinations with less crowds. For example, if you want to see mountains, go to Lansdowne, Kausani, and Tirthan Valley. If you want to celebrate Valentine's Day on the beach, you can visit Gokarna, Varkala, and Tarkarli. For heritage cities, you can plan to visit Orchha, Bundi, and Mandawa for historical and royal pleasures. Decide on the trip's duration. A two- to three-day trip is ideal for Valentine's Day. In fact, longer days can be more tiring. Valentine's Day doesn't offer long holidays. A one-day trip won't allow you to spend as much time with your partner, leaving the trip incomplete. Therefore, if you want to plan the perfect trip, enjoy this weekend. You can plan a smart three-day weekend by taking Friday off. Use your brain when booking your travels. Book your hotel in advance. Be sure to check couple-friendly policies. Read reviews in words, not just stars. Romance is best when basic amenities are in place. Don't base your travel plans on a timetable; planning every hour turns a relationship into a mechanical one. If you're traveling on Valentine's Day, you might wake up late one morning, spend longer with your partner at a local cafe, and in the evening, simply wander hand-in-hand without a destination. Therefore, allow for this flexibility when planning your trip, because love blossoms in space, not plans. A small surprise gift on Valentine's Day can excite your partner even more. Don't gift an expensive gift; a handwritten note, a sunset view, or a small memory bought from a local market—these gifts are more valuable than a hotel bill. Travel for each other, not for social media. Don't compete to share every moment through stories or posts. If you're traveling with your partner, put your phone aside, talk, and enjoy the silence, because a Valentine's Day trip isn't about showing off, but about connection. Don't be afraid of fights; learn to handle them. Differences are normal during travel; some difficulties may arise, such as getting lost, hunger, fatigue, and travel stress. Only those couples who can withstand them pass the real test.

"Working hours aren't fixed in the creative field," Saurabh Shukla responds to Deepika's eight-hour work schedule

Deepika Padukone's eight-hour work schedule sparked a new debate in the industry. Now, Saurabh Shukla has also offered his opinion on the issue. Find out what the actor said... Last year, Deepika Padukone sparked a new debate in the industry regarding her eight-hour work shift after becoming a mother. However, due to this condition, Deepika lost two major films, "Spirit" and the sequel to "Kalki 2898 AD." But Deepika remained firm on her demand. Many in the industry supported her demand. Now, writer-actor Saurabh Shukla has also responded to the demand for an eight-hour work schedule. Speaking to India Today about the issue of eight-hour work shifts, Saurabh Shukla said that working hours aren't fixed in the creative field. Consistency is more important than adhering to a fixed schedule during the shooting of a project. If you sometimes have to work extra hours to maintain your creativity, you shouldn't complain. If you're completely immersed in work, I think you shouldn't complain if you suddenly find yourself working half an hour or an hour more than your usual hours. You're getting a lot in return: continuity of ideas and continuity of that flow. Saurabh further explained that instead of focusing on working hours on set, actors should focus on the work itself. There should be deadlines, but that's not the main thing. The main thing is the creation you're creating. Instead of focusing on the clock, thinking, "Oh, it's 6 or 8 o'clock and I have to go home," we should focus more on our work. Many male actors have been working eight hours for years: Deepika Last year, Deepika sparked a new debate about the eight-hour work schedule. In a subsequent conversation with Brut India, Deepika explained her demand, stating that many top male actors work a strict eight-hour day. However, when she made a similar demand after becoming a mother, her demand was dismissed as absurd. The actress said, "I don't think what I'm asking for is absurd or wrong. I think anyone who has worked in this system for a long time would know the conditions we work under. I'm not the first to make such a demand. In fact, many actors, even male actors, have been working eight-hour shifts for years and it never made headlines."

"I will miss his voice," Aditi Rao Hydari expressed grief over Arijit Singh's decision to quit playback singing, saying, "I will always keep singing."

Everyone is shocked by Arijit Singh's decision to quit playback singing. Now, Aditi Rao Hydari has also reacted. Find out what she said... Arijit Singh surprised everyone with his sudden decision to quit playback singing. This is no less than a shock for his fans. However, many celebrities, actors, actresses, singers, and musicians are also deeply saddened by Arijit's decision. Now, actress Aditi Rao Hydari has also expressed surprise at Arijit Singh's decision. She also says she will miss Arijit's songs in films. An artist is always an artist. Expressing surprise at Arijit's decision in an interview with ANI, Aditi Rao Hydari said, "Oh my God! I love Arijit's voice. I will miss him a lot. I will miss his voice a lot." But you know, I believe an artist always remains an artist. A creator always remains a creator, and anything can happen. But the power, the will, the dream, the love to create always remains within you. A creator will always create. That's why they will always sing. Whether they're singing to the birds in the forest or singing to us, you know, they're singing. They're singing somewhere. I think that's beautiful. They will do something new and something incredible. Arijit also sang in "Gandhi Talks" - Arijit recently sang in Aditi Rao Hydari and Vijay Sethupathi's recently released film "Gandhi Talks." He lent his voice to the song "Sunhari Kirane" in the film. The music was composed by Oscar-winning composer AR Rahman. Additionally, Arijit also sang "Suiyan" in Aditi Rao Hydari's 2015 film "Guddu Rangeela." Arijit Singh has lent his voice to this romantic song along with Chinmayi Sripada. Aditi has appeared in 'Gandhi Talks' - Talking about the work front, Aditi Rao Hydari has appeared with Vijay Sethupathi in the recently released film 'Gandhi Talks'. This is a silent film. Arvind Swami and Siddharth Jadhav also appear in important roles in it. The music of the film has been given by AR Rahman.

"Radhe Bhaiya" is returning; these films, including "Tere Naam," will be making their debut in the month of love.

The Salman Khan-starrer "Tere Naam" was released in 2003. Salman Khan's hairstyle became very popular in the film. This film is set to return after 23 years. Valentine's Day falls in February. While many new films are released on this occasion, what if older films also make a comeback? This is likely to happen. Salman Khan's "Tere Naam" is being re-released after 23 years. Two other films are also included in the list. When will "Tere Naam" release? - Salman Khan is currently in the news for his upcoming film "Battle of Galwan." However, before its release, audiences will be treated to his hit film "Tere Naam." In this film, Salman Khan played the character of Radhe Bhaiya, portraying the role of an obsessive lover. Bhumika Chawla starred opposite Salman in the film. This film is scheduled to re-release in theaters on February 27, 2026. After 24 years, 'Devdas' will return to theaters. Two other cult films are also returning to theaters after many years. These films are 'Devdas' and 'Yuva'. Released in 2002, 'Devdas,' starring Shah Rukh Khan, Madhuri Dixit, and Aishwarya Rai, will be available in theaters again on February 6. This film will return to audiences after nearly 24 years. Directed by Sanjay Leela Bhansali, 'Devdas' is a mega-budget film, with everything from its dialogue to the actors' performances being outstanding. When will 'Yuva' be released? - In addition to 'Tere Naam' and 'Devdas,' Mani Ratnam's 'Yuva' will also be re-released. This film is set to re-release in theaters on February 20. Starring Ajay Devgn, Vivek Oberoi, and Abhishek Bachchan, this crime thriller depicts the rebellion of youth. It's worth noting that "Sanam Teri Kasam" was released during Valentine's Day last year and was a huge hit. It will be interesting to see how well these three films appeal to audiences!